P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 **SHRINKHALA :** VOL-II * ISSUE-III*November-2014
E: ISSN NO.: 2349 – 980X

नगरीय क्षेत्र की गंदी बस्तियों में निवासरत परिवारों का स्तर–भिलाई नगर की गंदी बस्तियां का एक प्रतीक अध्ययन

सारांश

भारत में गंदी बस्तियों की समस्या एक प्रबल समस्या बन चुकी है। भारत के महानगरों एवं नगरो में गंदी बस्तियों का विकास कैंसर की भॉति बड़ रहा है। गंदी बस्तियों में निवासरत व्यक्तियो की आवासीय दशा अत्यंत दयनीय एवं निम्न स्तर का होता है। प्रस्तुत शोध पत्र में नगरीय बस्तियों में निवास करने वाले परिवारो के जीवन स्तर को व्यक्त करने का प्रयास किया गया है। प्रतीक अध्ययन के रूप में औधोगिक नगर भिलाई जिला दुर्ग छ. ग. में स्थित जोरातराई गंदी बस्ती का चयन किया गया है। इस्पात संयत्र के लिए प्रसिद्ध भिलाई नगर में 46 घोषित गंदी बस्तियां है। इसमें से जोरातराई जो इसपात संयत्र सबसे नजदीक में स्थित गंदी बस्ती है। अध्ययन मुख्यतः प्राथमिक आकड़ो पर आधारित है। पारिवारिक अनुसूची के माध्यम से जोरातराई में निवासरत 424 परिवारों का साक्षात्कार से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर अध्ययन किया गया। अध्ययन में पाया गया की चयनित गंदी बस्ती जोरातराई में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता पर्याप्त नहीं है अधिकांश परिवार उड़ीसा राज्य से आप्रवासित हैं। अधिकांश परिवारों (64.62 प्रतिशत) का आय स्तर अतिनिम्न (3500 रू. मासिक से कम) है। अतः निम्न आय स्तर के कारण रहन सहन का स्तर निम्न है।

सुषमा यादव
सहायक प्राध्यापक,
भूगोल विभाग,
शासकीय वी. वाय. टी. स्ना.
स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग

गौरी वर्मा
सहायक प्राध्यापक,
भूगोल विभाग,
शासकीय महाविद्यालय वैशाली नगर, भिलाई

मुख्य शब्द : चयनित, गंदी बस्ती, जीवन स्तर, रहन सहन

प्रस्तावना

नगरीय बस्तियाँ नगर के निम्न अवस्था वाले अव्यवस्थित रूप से विकसित क्षेत्र होते है। वर्तमान समय में गंदी बस्तियों की समस्या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चिंतन का विषय बन चुकी है।

संयुक्त राष्ट्र संघ(1952) के अनुसार ''गंदी बस्ती एक मकान, मकानों का समूह या क्षेत्र है, जिसकी विशेषता भीड़–भाड़युक्त पतनोन्मुख, अस्वास्थयकर दशा तथा सुविधाओं का अभाव है। इन दशाओं अथवा इनमें से किसी एक के कारण इसके निवासियों अथवा समुदाय के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं नैतिकता को खतरा उत्पन्न हो जाता हैं। "गंदी बस्तियों की समस्या को महत्वपूर्ण मानते हुए इक्कीसवी सदी के प्रथम मानव दिवस world Habitat Day (10 oct 2001) को united Nations center for Human settlement (UNCHS) ने "Cities Without Slums" के रूप से मनाया था। यद्यपि गंदी बस्तियों को समस्याग्रस्त क्षेत्रों के रूप में जाना जाता है परन्तु नगर की सुचारू रूप से सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति में इन बस्तियों के निवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

19 वीं शताब्दी से ही भारत में विभिन्न विद्वानों नियोजको द्वारा गंदी बस्तियों के सुधार के लिए अध्ययन एवं प्रयास किए जा रहे है। इसी तारतम्य में छ. ग. राज्य के भिलाई नगर की गंदी बस्तियों को अध्ययन हेतु चयनित किया गया है।

भिलाई इस्पात संयत्र की स्थापना (1956) के पश्चात् नगर के विकास के साथ–साथ जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई है। आवास हेतु नियोजित आवासीय क्षेत्र का विकास किया गया है। परन्तु नगर के चतुर्दिक कई गंदी बस्तियों का भी विकास हुआ है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण विशेषकर श्रमिक वर्ग के लोग रोजगार के तलाश में

सरकारी भूमि को अधिग्रहण कर गंदी बस्तियों का निर्माण किया है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. अध्ययन क्षेत्र में मकानों की स्थिति की भौतिक संरचना आवास प्रतिरूप एवं मूलभूत सुविधाओं का मूल्यांकन करना।

2. अध्ययन क्षेत्र में जनाकिकीय सामाजिक संरचना अर्थिक संरचना की विशेषताओं की विवेचना करना।
3. अध्ययन क्षेत्र में सुविधाओं के अभाव के कारण जीवन एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को पहचानना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध प्रपत्र प्राथमिक आंकड़ो पर आधारित है। भिलाई नगर स्थित कुल 46 पंजीकृत गंदी बस्तियो मे से जोरातराई गंदी बस्ती का चयन किया गया। सर्वेक्षण कार्य परिवारिक साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से जोरातराई में निवासरत कुल 424 परिवारों का साक्षात्कार किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र की भौगोलिक पृष्ठ भमि

औधोगिक भिलाई नगर 21°–15′ उत्तरी अक्षांश, 18°–20′ पूर्वी देशांतर पर स्थित है। यह नगर छत्तीसगढ़ राज्य का प्रमुख औधोगिक नगर है। गंदी बस्तियों के अध्ययन हेतु जोरातराई मलिन बस्ती का चयन किया गया है। इस बस्ती की पर्यावणीय स्थिति अतिनिम्न स्थिति की है।

सर्वेक्षित गंदी बस्ती जोरातराई भिलाई इस्पात संयत्र के दक्षिण दिशा में मात्र 1.5 कि. मी. की दूरी पर लगभग 20.09 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर विस्तृत है। यह बस्ती लगभग 3 दशक पुरानी है। दशक पूर्व निगम प्रशासन के द्वारा मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, परन्तु पूर्ण रूप से मूलभूत सुविधायें उपलब्ध नही हो पाई है। अनुसूचित जाति बाहुल्य इस बस्ती की स्थिति अत्यंत दयनीय है। यत्र–तत्र फैले हुए कचरे का ढेर, नाली में अवरूद्ध जल, पर्यावरण को प्रदूषित करते है। सार्वजनिक शौचालय के अभाव मे खुले मैदान, सड़क के किनारें एवं नगर के किनारे गढ़ढो को शौच स्थल के रूप में उपयोग किया जाता है जिससे दुर्गंध फैलती है। इस बस्ती में 424 मकानों में 2092 लोग निवासरत है। यहां जनघनत्व 104 व्यक्ति प्रति हैम्टेयर है।

तालिका I

चयनित गंदी बस्ती में आवास प्रतिरूप			
क्र. सं.	विवरण		
1.	मकान की माप	मकानो की संख्या	प्रतिशत
(अ)	अत्यंत लघु आकार ढ25 वर्गमीटर	210	49.53
(ब)	अति लघुआकार 25–50 वर्गमीटर	159	37.50
(स)	लघुआकार (झ50 वर्ग मीटर)	55	12.97
2.	मकानों के प्रकार		
(अ)	कच्चा	198	46.70
(ब)	पक्का	24	5.66
(स)	मिश्रित	202	47.64
3.	मकानों में कमरो की संख्या		
(अ)	एक कमरा	147	34.67
(ब)	दो कमरो वाले	172	40.57
(स)	तीन कमरो वाले	79	18.63
(द)	चार एवं अधिक कमरे वाले	26	6.13
4.	छतनिर्माण सामग्री		
(अ)	खपरैल	389	91.75
(ब)	शीट	19	2.48
(स)	पक्का ढलाई	09	2.12
(द)	अन्य(पालथीन,घासपूस)	07	1.65
5.	छत की ऊँचाई		
(अ)	3मीटर से कम	287	67.69
(ब)	3 मीटर से अधिक	137	32.31
6.	खिड़कियों की स्थिति		
(अ)	खिडकी युक्त	150	35.38
(ब)	खिड़की विहीन	274	64.62
7.	रोशनदान		
(अ)	रोशनदान युक्त	134	31.60
(ब)	रोशनदान विहीन	290	68.40
8.	अन्य सुविधायें		
(अ)	स्नानघर युक्त	128	30.19
(ब)	स्नानघर विहीन	296	69.81
(स)	शौचालय युक्त		
	है	26	6.13
	नहीं	398	93.87
(द)	रसोईघर		
	है	107	25.24
	नहीं	317	74.76
(प)	विद्युत सुविधा		
	है	336	79.25
	नहीं	88	20.75
9.	आवास का स्वामित्व		
(अ)	स्वयं के नाम		
पर पट्टाप्राप्त		409	96.46
व किराये पर		15	3.54

आवास की दशायें

चयनित गंदी बस्ती की आवासीय दशा अत्यंत निम्न है आवास मनुष्य के लिए एक आश्रय स्थल होता है, जो दीवारो फर्श, दरवाजो, खिड़कियों एवं छत का बना होता है। चयनित गंदी बस्ती में निवासरत परिवारों की आवासीय दशाओं का अनुमान तालिका I से लगाया जा सकताहै।

स्रोत –साक्षात्कार अनुसूची

तालिका I से स्पष्ट है कि 46.70 प्रतिशत मकान कच्चे, 47. 64 प्रतिशत मिश्रित एवं 5.66 प्रतिशत मकान पक्के हैं। 34. 67 प्रतिशत मकानों में मात्र एक कमरा है जहां पूरा परिवार निर्वाह करता है। 91.75 प्रतिशत मकान खपरैल वाला है– जिससे वर्षाऋतु में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। छत की ऊँचाई भी पर्याप्त नहीं है 67.69 प्रतिशत मकानों की छत के ऊँचाई 3 मीटर से भी कम है। अधिकांश मकानों 64.62 प्रतिशत में खिड़िकियां ही नहीं है इसी प्रकार 68.40 प्रतिशत मकानों में रोशनदान भी नहीं हैं। अतः पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं है। 69.81 प्रतिशत मकानों में स्नानगृह नहीं है अतः स्नान के लिए नहर एवं हैंडपम्प पर आश्रित है इस बस्ती में तालाब का भी अभाव है। 93.87 प्रतिशत मकानों में शौचालय नहीं हैं, अतः शौचकार्य हेतु मैदान सड़क के किनारे गढ़ढो का उपयोग किया जाता है। जिससे प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। महिलाओं एवं बालिकाओं को अन्य असामाजिक तत्वों से भी खतरा बना रहता है। शत प्रतिशत मकानो में रसोई घर

भी नहीं हैं 74.76 प्रतिशत परिवारो द्वारा रसोई हेतु बरामदा या शयन कक्ष का ही उपयोग किया जाता है

विद्युत सुविधा 79.25 मकानो में है परन्तु एकलबत्ती सुविधा का उनके द्वारा बहुउपयोग किया जाता है जिससे हमेशा कम वोल्टेज की समस्या बनी रहती है।

जनांकिकीय संरचना

चयनित गंदी बस्ती में 424 परिवार निवास करते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार इस बस्ती की जनसंख्या 2092 है। जिसमें 1047 पुरूष एवं 1045 महिलायें है। चयनित गंदी बस्ती में लिंगानुपात, आयु संरचना को तालिका II से स्पष्ट किया जा सकता है

तालिका II

चयनित गंदी बस्ती में लिंग एवं आयु संरचना

क्र.	विवरण	जनसंख्या	प्रतिशत
1.	लिंगानुपात		
	अ. पुरूष	1047	50.05
	ब. महिला	1045	49.45

आयु संरचना

अ. 0–14 वर्ष	764	36.52
ब. 15–59 वर्ष	1273	60.85
स. 60 वर्ष से अधिक	35	1.67

तालिका संरचना है कि चयनित गंदी बस्ती में लिंगानुपात 998 है। कार्यशील जनसंख्या 60.85 प्रतिशत है। आश्रित जनसंख्या का प्रतिशत 36.19 है। जिसमें 36.52 प्रतिशत बाल वर्ग एवं 1.67 प्रतिशत वृद्धवर्ग है।

प्रवास

चयनित गंदी बस्ती मे आप्रवासित परिवारों की संख्या सबसे अधिक है। कुल 424 परिवारो मे से 177 परिवार छत्तीसगढ़ राज्य के ही विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रो से प्रवासित है। सर्वाधिक 221 परिवार लगभग 52.12 प्रतिशत उड़ीसा राज्य से आप्रवासित है।

निम्न तालिका से प्रवास की स्थिति को स्पष्ट किया जा सकता है

तालिका III

चयनित गंदी बस्ती में प्रवास प्रतिरूप

क्र.	प्रवासियों का मूल स्थान (राज्य)	परिवारों की संख्या	प्रतिशत
अ	छत्तीसगढ़	177	41.75
ब.	उड़ीसा	221	52.12
स.	म.प्र.	05	1.65
द.	उ.प्र.	07	1.18
	अन्य	14	3.30

आर्थिक संरचना

निम्न आय एवं व्यय की अधिकता के कारण गंदी बस्ती के निवासियो की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है चयनित गंदी बस्ती की आर्थिक संरचना को निम्न तालिका से स्पष्ट किया जा सकता हैं।

तालिका IV

चयनित गंदी बस्ती में आय प्रतिरूप

क्र.	आय का स्तर	परिवारो की संख्या	प्रतिशत
1.	अतिनिम्न (3500रू.से कम)	274	64.62
2.	निम्न(3500 रू. से 5000)	115	27.12
3.	मध्यम(50000 रू. से अधिक)	35	8.25

तालिका IV से स्पष्ट है कि अति निम्न आर्थिक स्थिति वाले परिवारो की संख्या सर्वाधिक 64.62 प्रतिशत है इस बस्ती में निवासरत अधिकांश व्यक्तियों को पूर्णकालिक रोजगार उपलब्ध नहीं होने के कारण आर्थिक स्थिति निम्न है भिलाई इस्पात संयत्र के निकट स्थित होने के कारण अधिकांश लोग अस्थायी दैनिक वेतन पर ठेका श्रमिक के रूप कार्य करते है। ठेकेदारों के आधीन कार्य करने के कारण उनके द्वारा शोषण किया जाता है।

निम्न स्तरीय एवं सुविधाविहीन दशाओं में निवास करने वाले लोगो को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिसमें मुख्य रूप से अस्वास्थ्यकर आवासीय दशा स्वच्छ पेयजल की कमी गंदा जल एवं मल निकास, पर्यावरण प्रदूषण, शिक्षा केन्द्रो की कमी, मनोरंजन के साधनों का अभाव, जनाधिक्य, कुपोषण , बेरोजगारी आदि है।

यद्यपि भिलाई नगर निगम द्वारा गंदी बस्तियों के सुधार हेतु अनेक योजनायें क्रियान्वित की गई है। इसके अतिरिक्त राज्य एवं केन्द्र शासन की कई योजनायें भी कार्यरत है परन्तु चयनित गंदी बस्ती में उपलब्ध सुविधायें अपर्याप्त है।

Biblography

1. Abrams Charles 1953: Slums Urban land problem and Policies Housing and town and country Planning Bulleitien -7 United nations New york.
2. Desai A.R & Pillai, S.D. 1970: Slums and Urbanisation Popular Prakashan Bombay.
3. John Robertson 1920: Housing and public health, Funk& Wagnall's co., New york
4. Yadav, C.S (ed.) 1987: Slum] Urban Decline and Revitalization Concept Publishing Company, New Delhi
5. तिवारी, आर. सी 2007: अधिवास भूगोल प्रयाग पुस्तक भवन इलाहाबाद